ing goods, especially those produced in Indo-German joint venture industries, is under consideration.

रूसी ट्रैक्टरों का विक्रय

2807. श्री निहाल सिंह :
श्री शिवपूजन शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ब्रह्मानन्दजी :

क्या वाणिज्य मंत्री 26 मई, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 109 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रूस से आयातित ट्रैक्टरों को अधिक मूल्य पर बेचने के बारे में राज्य व्यापार निगम ने जांच पूरी कर ली है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो और कितना समय लगने की सम्भावना है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) लगभग एक मास।

Orders for Engineering Goods placed by Railways

2808. Shri D. N. Patodia: Will the Minister of **Railways** be pleased to state the value and particulars of various orders for engineering goods placed by the Railways on the Public Sector Industries and on Private Sector Industries, separately from 1961-62 to 1966-67?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

इस्पात का आयात

2809. श्री क० मि० मधुकर :
श्री रामावतार शास्त्री :

क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या यह सच है कि हमें अब भी इस्पात का आयात करना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं और जिन देशों से आयात किया जाता है, उनके नाम क्या हैं,

(ग) क्या यह सच है कि भारत में इस्पात उद्योग, विशेषतया सरकारी क्षेत्र के उद्योग को हतोत्साहित करने में निहित विदेशी हितों के परिणामस्वरूप इस्पात का आयात किया जाता है,

(घ) क्या सरकार ने कोई तिथि निर्धारित की है जिसके बाद आयात बन्द कर दिया जायेगा, और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० च० सेठी) : (क) से (ङ) हम देश में साधारण इस्पात की अधिकांश किस्मों का उत्पादन करने लगे हैं। हमने औजारी, मिश्रित और विशिष्ट इस्पात के उत्पादन में भी कुछ प्रगति की है। इस समय हम अधिकतर औजारी मिश्रित और विशिष्ट इस्पात और कुछ किस्मों का साधारण इस्पात विशेषत. चपटे पदार्थ आयात करते हैं जिनका देश में इतनी मात्रा में उत्पादन नहीं होता जिससे देश की कुल आवश्यकता पूरी हो सके। आयात अधिकतर अमरीका यू० के०, यूरोपियन इकनामिक कम्युनिटी देशों, रूस अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों और जापान से किया जाता है